अध्याय - IV

4.0.1 प्रस्ताव – पहले एवं दूसरे सत्र का आयोजन 31.7.15 –02.03.2019 हुआ। जिसमें SMC के सदस्यों द्वारा इन चार वर्षों में नामांकन एवं उपष्यिनि बढ़ाने के लिए 11 बैठकों का आयोजन किया जिसमें शिक्षकों एवं SMC सदस्यों के द्वारा नामांकन न हुए बच्चों एवं लगातार अनुपस्थित होने वाले बच्चों पर चर्चा हुई।

4.1.1 नामांकन एवं उपस्थिति बढ़ाने हेतु

बैठक विश्लेषण –

सत्र–1: 31.7.15 – 9.3.2017

पहले सत्र में SMC के सदस्यों द्वारा नामांकन एवं उपस्थिति दर बढ़ाने के लिए 6 बैठक का आयोजन किया जिसमें SMC के 15 सदस्यों एवं विद्यालय के शिक्षकों 4 के बीच चर्चा हुई, जिसमें विद्यालयों के शिक्षकों ने जुलाई 2016–17 में दर्ज हुए 88 छात्रों का ब्यौरा दिया और ऐसे बच्चों के नाम दिए जिनका नामांकन नहीं हुआ था।

2016–17 में हुई SMC की 2 बैठकों में भी शिक्षकों ने जुलाई में 90 बच्चों की संख्या बताई एवं 5 ऐसे बच्चों की जानकारी प्रदान् की जिनका नामांकन विद्यालय में नहीं हुआ था।

इन्हीं बैठको में शिक्षकों ने लगातार अनुउपस्थित रहने वालें छात्रों की भी जानकारी प्रदान की जिस पर SMC के सदस्यों एवं शिक्षकों के मध्य चर्चा हुई।

सत्र–2: 03.07.17 – 02.02.19

दूसरा सत्र में SMC के सदस्यों के द्वारा वर्ष 2017–18 में नामांकन एवं उपस्थिति दर बढ़ाने के लिए 5 बैठको का आयोजन किया जिसमें (जुलाई) के महीने में 89 दर्ज संख्या है और 5 बच्चों के नाम बताये जिनका नामांकन विद्यालय करवाना है। इनमें से 2 बच्चों का नामांकन अगस्त के महीने एवं (3 बच्चों का नामांकन सितम्बर के महीने में कराया गया।)

2018–19 में छात्रों की दर्ज संख्या 90 थी जुलाई के महीने में वही 6 बच्चें ऐसे थे जिनका नामांकन होना बाकी था। अगस्त के हीने में 2 बच्चों का नामांकन हुआ और दर्ज संख्या 92 हुई वहीं सितम्बर के महीने में दो बच्चों का नामांकन और हुआ दर्ज संख्या बढ़कर 94 पर हो गई।

2019–20 में छात्रों की दर्ज संख्या 69 थी जुलाई के महीने में थी एवं 5 बच्चें ऐसे थे जिनका नामांकन होना था। इन 5 बच्चों में 1 छात्र का नामांकन अगस्त में एवं 4 बच्चों का नामांकन सितम्बर के महीने में हुआ।

वही इस सत्र अनुपस्थिति होने वाले छात्रों पर की चर्चा की गई एवं अनुपस्थित रहने वाले छात्रों के माता–पिता से मिलकर उन्हें विद्यालय भेजने का निवेदन किया गया।

नामांकन एवं उपस्थिति दर बढ़ाने के लिए SMC के सदस्यों एवं शिक्षकों द्वारा कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाये गयें।

- पालकों से मिलकर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया जाता है।
- स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकालते है।
- आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चों की आर्थिक रूप में में मदद करते है।
- पालकों के घर जाकर बच्चों को स्कूल भेजने का प्रयास करते है।

तालिका सूची-2

वर्षानुसार पहली से लेकर पाँचवी तक छात्रों के नांमकन मे वृद्धि

वर्ष	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	नांमकन मे वृद्धि	कुल दर्ज संख्या
2016-2015	88	91	95	7	95
2017-2016	90	92	95	5	65
2018-2017	89	91	94	5	94
2019-2018	90	92	94	4	94
2020-2019	79	80	84	5	84

इस तालिका मे दिये गए प्रदत्तों से यह ज्ञात होता है की लगभग हर साल जुलाई से सितम्बर तक नांमकन की प्रक्रिया चलती है जिसमे लगातार नांमकन मे वृद्धि हो रही है।

- 2015से 2016के मध्य कुल 7छात्रों नांमकन मे वृद्धि हुयी है।
- 2016से 2017 के मध्य कुल 5 छात्रों नांमकन मे वृद्धि हुयी है।
- 2017से 2018 के मध्य कुल 5 छात्रों नांमकन मे वृद्धि हुयी है।
- 2018से 2019के मध्य कुल 4 छात्रों नांमकन मे वृद्धि हुयी है।
- 2019से 2020 के मध्य कुल 5 छात्रों नांमकन मे वृद्धि हुयी है।

इन 5वर्षो मे कुल 26छात्रों का नांमकन प्राथमिक विद्यालय चिखली कलाँ में वृद्धि हुयी है।

4.1.2 निष्कर्ष – इन 4 वर्षों में हुई 11 बैठकों में SMC के सदस्यों एवं शिक्षकों के मध्य सर्वसम्मति से यह निष्कर्ष निकाला गया कि जिन–जिन छात्रों का लगातार अनुपस्थिति होने वाले छात्रों की उपस्थिति दर बढ़ाने के लिए बालकों से मिलकर उनसे बात की एवं बच्चों को स्कूल भेजने की बात कहीं।

4.0.2 मध्याह्न भोजन –

4.2.1 प्रस्ताव – मध्यान्ह भोजन पर 4 वर्षों में 20 बैठकों का आयोजन किया गया, जिनमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रस्ताव रखे गये –

- समय पर भोजन वितरण
- दूध वितरण समय पर
- भोजन की गुणवत्ता
- खाना बनाने के लिए पानी एवं पानी की टंकी की व्यवस्था करना।
- रसोइयों की नियुक्ति करना।

बैठक विश्लेषण –

सत्र–1: 31.07.15 – 9.3.2017

पहले सत्र की 2 साल बैठक में SMC के सदस्यों एवं शिक्षकों ने कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखें एवं मध्यान भोजन पर लगभग 6 बैठकों में मध्यान भोजन पर चर्चा हुई। जिसमें SMC सदस्यों द्वारा लगातार भोजन की गुणवत्ता पर चर्चा की गई यह SMC के रिकार्ड रजिस्टर एवं शिक्षकों के लिये गये साक्षात्कार से पता चलता है।

रसोईयों की नियुक्ति एवं कितने बच्चों पर कितने रसोईयों को होना चाहिए उसका निर्धारण SMC के सदस्यों द्वारा भोजन की गुणवत्ता की जांच करने के लिए समय–समय पर विद्यालय जाकर भोजन को रख कर देखा जाता है।

सत्र–2: 03.07.2017 – 02.02.2019

दूसरे सत्र की बैठक में भी पहले सत्र की तरह लगभग 8 बैठके हुई जिनमें पहले सत्र के हि बिन्दुओं को दोहराया गया एवं SMC के 16 सदस्यों एवं शिक्षकों 4 ने मिलकर चर्चा की। जिसमे गुणवत्ता एवं वितरण समय पर करने की बात कही। वहीं पेय जल की व्यवस्था करने पर चर्चा हुई।

15/11/2017 की बैठक में रसोईयों की नियुक्ति की गई एवं भोजन पकाने के लिए जल की व्यवस्था की गई। और पानी की टंकी विद्यालय में लाई गई।

मध्यान भोजन के लिए समान खरीदी एवं सामग्री के लिए SMC सदस्यों एवं शिक्षक मिलकर करते थे।

14/06/2018 की बैठक में रसोईयों ने इस्तिफा दे दिया एवं नये रसोईयों को खोजने का प्रस्ताव रखा गया और जल्द ही नियुक्ति करना है।

SMC के सदस्यों द्वारा मध्याह्न भोजन के प्रस्तावों को पारित कर निगरानी के लिए कुछ कदम उठाये गये

- शाला में जो समूह मध्यान्ह भोजन चलाते है।
- मध्यान्ह भोजन का खाना जहां पकाते है वहाँ साफ–सफाई रखने को कहा गया।
- समय–समय पर भोजन वितरण के समय को जाँचते रहें।
- बच्चों के डाइट के अनुसार खाना वितरण करने का ध्यान रखा गया।
- मध्यान्ह भोजन की सामग्री समय पर उपलब्ध कराना।

4.2.2 निष्कर्ष – इन 4 वर्षों की कुल 14 बैठकों का आयोजन मध्यान्ह भोजन पर हुई है। जिनमें SMC एवं शिक्षकों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि मध्यान्ह भोजन समय पर वितरण, गुणवत्ता को बनायें रखना एवं अन्य प्रस्तावों को पूरा करना।

4.0.3 भौतिक संसाधन –

4.3.1 प्रस्ताव – इन 4 वर्षों में SMC के आयोजित हुई बैठकों में सदस्यों एवं शिक्षकों ने भौतिक संसाधन की उपलब्धता पर लगभग दोनों सत्रों में 7 बैठक की है जिसमें निम्नलिखित प्रस्ताव रखे गये है –

- विद्यालय भवन में रंग–रोगन (पुताई) करवाना।
- विद्यालय भवन की मरम्मत कराना।
- साफ–सफाई कराना।
- विद्यालय भवन में जल निकासी के लिए नाली निर्माण करना।
- विद्यालय भवन में बैठने हेतु मेज खरीदना।

बैठक विश्लेषण –

सत्र–1: 31.07.15 – 09.03.2017

इस सत्र की बैठक में SMC के सदस्यों (18) एवं शिक्षकों (4) ने भौतिक संसाधन की कमी एवं उपयोगिता को देखते हुए प्रस्तावों को रखा गये है और इन पर चर्चा की गई जिसमें से विद्यालय भवन की मरम्मत, विद्यालय भवन का रंग रोगन का कार्य एवं विद्यालय भवन की साफ सफाई वाले विषय पर चर्चा की।

सत्र–2: 03.07.2017 – 02.02.2019

इस सत्र में विद्यालय भवन में नाली का निर्माण, विद्यालय भवन में बैठने हेतु मेज़ खरीदना आदि विषयों पर चर्चा SMC के सदस्यों (14) एवं शिक्षकों (4) ने चर्चा की।

इस सभा में नाली कहाँ से कहाँ तक बनाना है कितनी चौड़ी एवं कितनी गहरी बनानी है, उस पर चर्चा की एवं मेज़ की लम्बाई–चौड़ाई, लोहे की या लकड़ी का लाना है इस पर चर्चा का निष्कर्ष निकालें।

SMC के सदस्यों द्वारा अपने खाने के रूपयों का उपयोग कर इन भौतिक संसाधनों उपलब्धि करवाई है।

4.3.2 निष्कर्ष – भौतिक संसाधन की उपलब्धि कराने हेतु SMC के सदस्यों ने एवं शिक्षकों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि कुछ संसाधन की उपलब्धि सत्र 1 में एवं कुछ संसाधनो के सत्र–2 में उपलब्ध कराया जायेगा एवं इसके लिए विद्यालय के खाते से रूपयों को निकाल कर भुगतान किया जायेगा।